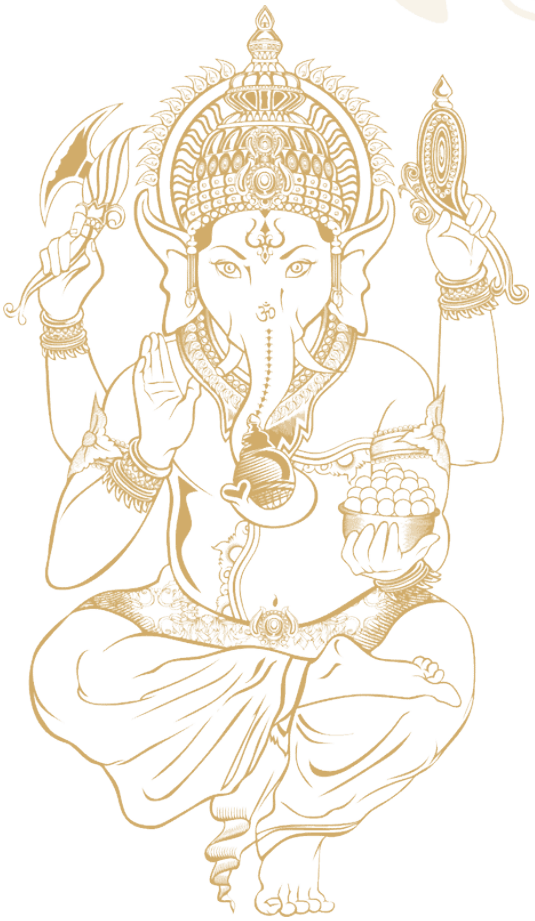

Mr.

Ms.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121531501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121531501 Date: 09/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/04/1991	जन्म तिथि	03/01/1993
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 08:00:00	जन्म समय	14:47:00 घंटे
घटी 06:29:48	जन्म समय(घटी)	20:21:39 घटी
India	देश	India
Ara	स्थान	Bokaro
25:34:00 उत्तर	अक्षांश	23:51:00 उत्तर
84:40:00 पूर्व	रेखांश	86:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:08:40	स्थानिक संस्कार	00:14:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:04	सूर्योदय	06:29:22
18:16:44	सूर्यास्त	17:11:30
23:44:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:51

वृष	लग्न	वृष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कर्क	राशि	मेष
चन्द्र	राशि-स्वामी	मंगल
पुनर्वसु	नक्षत्र	भरणी
गुरु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	1
धृति	योग	सिद्ध
विष्टि	करण	गर
ही-हीरा	जन्म नामाक्षर	ली-लीना
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
मार्जार	योनि	गज
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 2वर्ष 5मा 25दि		19:52:39	वृष		लग्न	वृष	16:25:58	शुक्र 18वर्ष 3मा 19दि	
बुध		06:45:47	मेष		सूर्य	धनु	19:15:17	चन्द्र	
15/10/2012		01:15:43	कर्क		चंद्र	मेष	14:27:51	24/04/2017	
15/10/2029		16:03:25	मिथु		मंगल	व मिथु	25:43:04	25/04/2027	
बुध	13/03/2015	26:22:47	मीन	व	बुध	धनु	07:24:43	चन्द्र	22/02/2018
केतु	09/03/2016	10:31:47	कर्क		गुरु	कन्या	19:54:49	मंगल	23/09/2018
शुक्र	08/01/2019	15:44:09	वृष		शुक्र	कुंभ	05:33:51	राहु	24/03/2020
सूर्य	15/11/2019	12:33:06	मक		शनि	मक	22:50:24	गुरु	24/07/2021
चन्द्र	15/04/2021	29:00:13	धनु		राहु	वृश्चि	27:35:17	शनि	23/02/2023
मंगल	12/04/2022	29:00:13	मिथु		केतु	वृष	27:35:17	बुध	24/07/2024
राहु	30/10/2024	20:04:24	धनु	व	हर्ष	धनु	24:02:48	केतु	22/02/2025
गुरु	05/02/2027	23:01:28	धनु	व	नेप	धनु	24:40:54	शुक्र	24/10/2026
शनि	15/10/2029	25:46:18	तुला	व	प्लूटो	वृश्चि	00:54:48	सूर्य	25/04/2027

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:44:23 चित्रपक्षीय अयनांश 23:45:51

लग्न-चलित

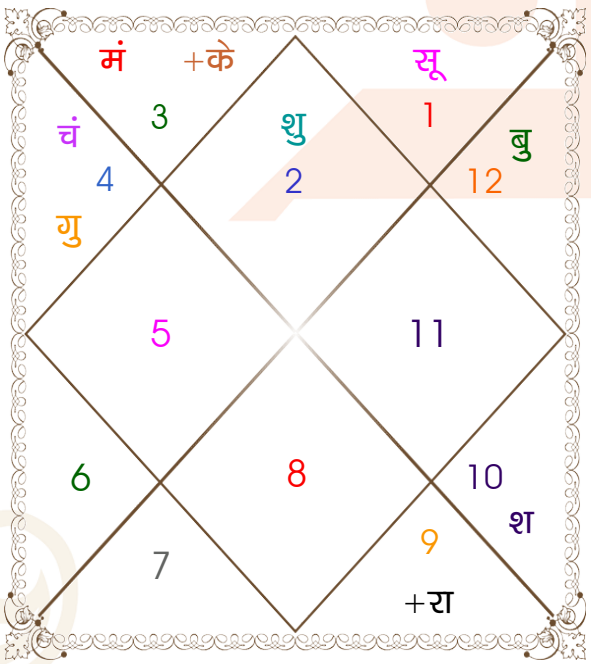

लग्न-चलित

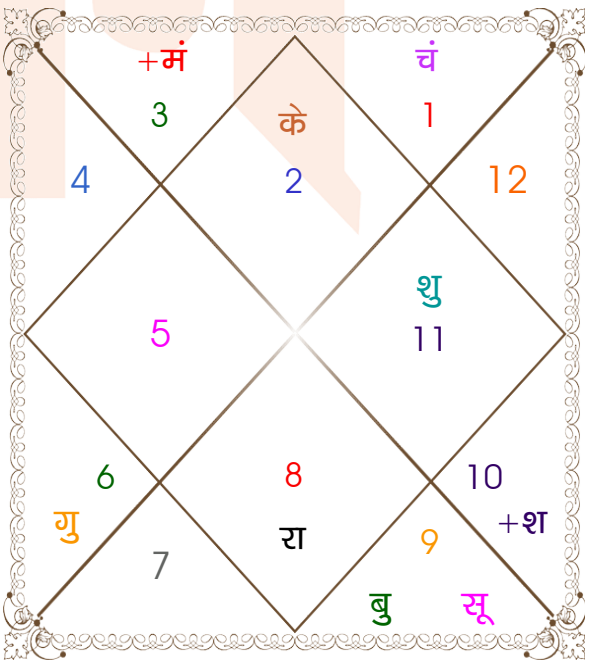

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

कुल : **31.5 / 36**

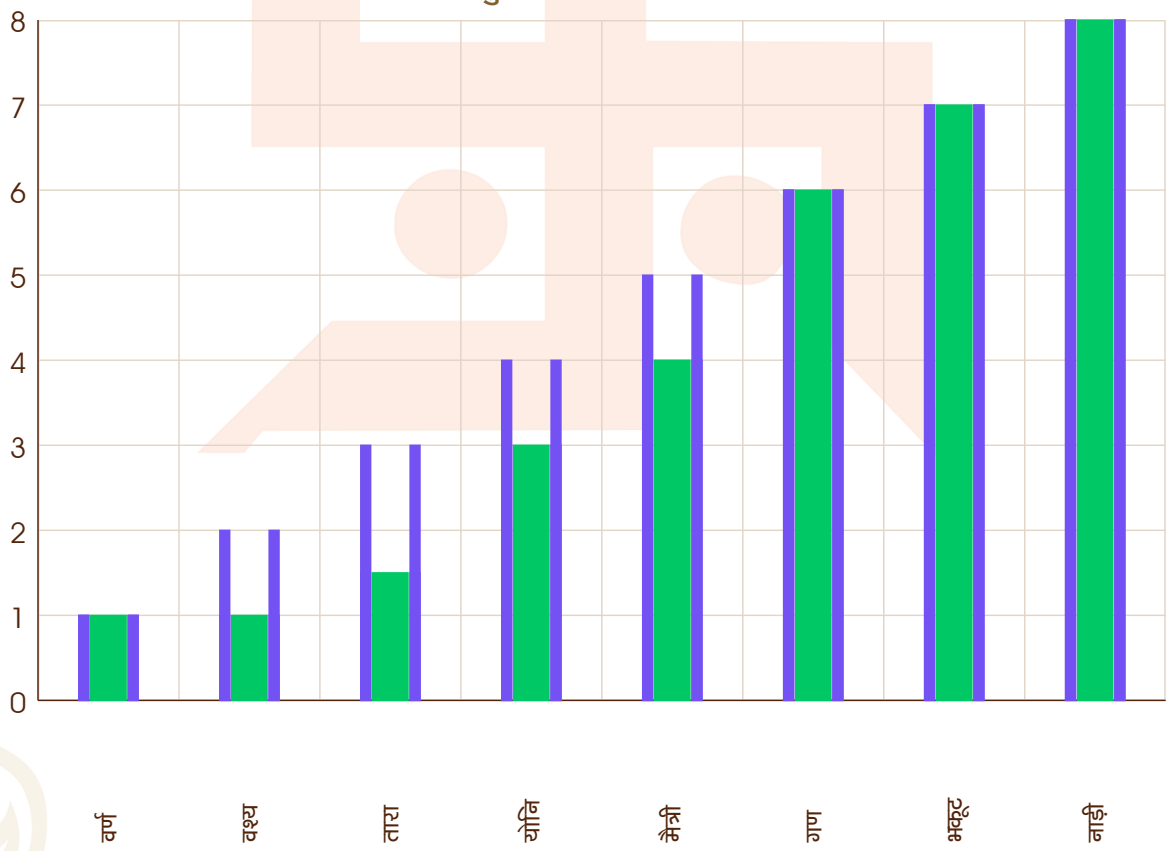

अष्टकूट मिलान

डतण का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है। अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है। Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है। डतण तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Ms. में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Ms. आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Ms. सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

डतण का वश्य जलचर है एवं Ms. का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

डतण की तारा साधक तथा Ms. की तारा प्रत्यरि है। Ms. की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह डतण एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Ms. का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Ms. के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। डतण अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

डतण की योनि मार्जार है तथा Ms. की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी

मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतए का राशि स्वामी Ms. के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms. का राशिस्वामी डतए के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

डतए का गण देव तथा Ms. का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms. अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

डतए से Ms. की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Ms. से डतए की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतए एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Ms. को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Ms. हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

डतए की नाड़ी आद्य है तथा Ms. की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए

वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण की जन्मराशि कर्क तथा Ms. की राशि मेष है। कर्क राशि जलतत्व तथा मेषराशि अग्नितत्व हैं। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं जलतत्व में परस्पर असमानता एवं शत्रुता का भाव रहता है अतः इसके प्रभाव से डतण और Ms. के मध्य स्वभावगत विषमताएँ रहेंगी जिससे दाम्पत्य सम्बंधों में मधुरता न्यून ही रहेगी। अतः यह मिलान विशेष उत्तम नही रहेगा।

डतण का राशिस्वामी चन्द्र तथा Ms. का राशिस्वामी मंगल परस्पर मित्र तथा समभाव में पड़ते है। अतः सामंजस्य की अवस्था मे यह ग्रहस्थिति शुभ रहेगी इसके प्रभाव से डतण और Ms. परस्पर एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा दोषों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इससे दोनों के मध्य विवादों में न्यूनता आएगी तथा दाम्पत्य जीवन के सुख शान्ति में वृद्धि होगी।

डतण और Ms. की राशियां परस्पर चतुर्थ तथा दशम भाव में पड़ती हैं यह एक शुभ भकूट है। इसके शुभ प्रभाव से आप दोनों के जीवन में मधुरता का भाव रहेगा तथा डतण ओर Ms. परिश्रमपूर्वक सुख साधनों को अर्जित करके सुखपूर्वक उनका उपभोग करेंगे। साथ ही डतण अपने स्वाभाविक गुणों से Ms. को प्रसन्न करने में सफल रहेंगे फलतः आपस में प्रेम लगाव एवं आकर्षण का भाव रहेगा।

डतण का वश्य जलचर तथा Ms. का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से जलचर तथा चतुष्पद में समानता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से डतण एवं Ms. की अभिरूचियाँ समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में समता रहेगी। साथ ही कामभावनाओ की पूर्णता भी रहेगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में भी समर्थ रहेंगे।

डतण का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. का वर्ण क्षत्रिय है। डतण की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में अधिक रहेगी तथा Ms. साहसिक एवं पराक्रमी कार्यो में रूझान रखेगी। अतः कार्य क्षेत्र में डतण और Ms. प्रगति एवं समृद्धि प्राप्त करेगे।

धन

डतण और Ms. दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

डतए की नाड़ी आद्य तथा Ms. की नाड़ी मध्य है। अतः यह मिलान नाड़ी दोष से मुक्त रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा सुख पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे। साथ ही डतए और Ms. के स्वास्थ्य पर मंगल का भी कोई दुष्प्रभाव नहीं है जिससे दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे। इस प्रकार यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे जिससे जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतए और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतए और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतए और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतए और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Ms. धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Ms. के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव

रहेगा।

इस प्रकार Ms. का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

डतण की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर डतण सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन डतण ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का डतण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।